राज्य में इनोवेशन और स्टार्टअप क्षेत्र में भविष्य में अच्छे अवसर

देश के सबसे युवा राज्यों में से एक छत्तीसगढ़ अपने भविष्य के विकास के लिए तैयार है। राज्य में अवसरों और चुनौतियों का अनोखा परिदृश्य है, जिसमें आने वाले वर्षों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ को खनिजों की राशि से भरपूर है, जैसे कोयला, लोहा और बॉक्साइट। यहां 28 प्रकार के खनिज हैं जिसमें से राज्य का 23% राजस्व खनन से आता है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां की प्राकृतिक सुंदरता, वन्य जीवन और सांस्कृतिक धरोहर, सांस्कृतिक और विरासत अपनी महती भूमिका निभा रही है। पर्यटन के चलते सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में भी संभावनाएं हैं।

छत्तीसगढ़ एक कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था है, जहां लगभग 80% आबादी कृषि पर निर्भर है। हालांकि, इस क्षेत्र का राज्य के जीडीपी में योगदान केवल 20% है। इसलिए कृषि में नवाचार की बेहतर संभावनाएं हैं। राज्य में विदेशी निवेश कम है और लेफ्ट-विंग एक्सट्रीमिज्म (एलडब्ल्यूई) की उपस्थिति इसे प्रभावित कर सकती है। लेकिन आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी और एम्स जैसे संस्थानों की उपस्थिति

प्रो. रामकुमार काकानी
निदेशक,
आईआईएम, रायपुर

बहुराष्ट्रीय उद्यमों के लिए कुशल श्रम प्रदान करती है। राज्य में कई क्षेत्र, विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अभी भी विकास की कमी है, जो पहली बार निवेश करने वालों के लिए अवसर प्रदान करती है।

राज्य द्वारा स्थापित इज ऑफ डूइंग बिजनेस सेल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और राज्य में स्टार्टअप व उद्यमों की मदद करने का उद्देश्य रखता है। छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी (सीएचआईपीएस) डिजिटल नवाचार और ई-गवर्नेंस पहलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है, जो विभिन्न क्षेत्रों में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देती है।

Patrika, 16 December, 2024, p. 05